पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल श्री राम नाईक ने देखी ऐशबाग की प्रसिद्ध रामलीला
राज्यपाल ने किया रामलीला वेबसाइट का उद्घाटन

लखनऊः 19 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि आज असत्य पर सत्य, अर्धम पर धर्म, बुराई पर अच्छाई तथा रावण पर राम की विजय के इस दिवस पर आप सभी लोगो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि मैने मुंबई, दिल्ली तथा अन्य जगहों पर आयोजित रामलीला देखी है, परन्तु यहां की रामलीला सर्वश्रेष्ठ है। यहां के कलाकारों द्वारा रामलीला का बेहतर तरीके से मंचन किया जाता है। आप सभी लोगों के बीच आकर मुझे काफी प्रसन्नता होती है। मैं आयोजन समिति तथा यहां के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि यदि भविष्य में मुझे बुलाया जायेगा तो मैं अवश्य ही आऊंगा।

राज्यपाल श्री नाईक ने आज श्री रामलीला आयोजन समिति ऐशबाग, लखनऊ में आयोजित दशहरा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रामायण एक अद्भुत ग्रंथ है। इसे लोग कथा, गीत, प्रवचन, कहानी तथा अन्य किसी न किसी रूप में प्रदर्शित कर आनन्दित होते हैं। राम कथा सुनना तथा देखना सागर में डुबकी लगाने जैसा होता है। यह अत्यन्त प्रसंशनीय है कि यहंा के कलाकार लगातार दस दिनों तक कुशलतापूर्वक रामलीला का मंचन कर सभी का मनोरंजन करते हैं। कलाकारों को भी इसके लिए हार्दिक बधाई।

श्री राम नाईक ने कहा कि रामायण के बारे में दुनिया में सबसे अधिक लिखा गया है। राम के बचपन से लेकर अन्त तक अनेकों कथाएं हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रचीन काल में समुद्र के पार जाना अशुभ माना जाता था, तब भी इनकी कथाएं इण्डोनेशिया, श्रीलंका तथा थाइलैण्ड जैसे अन्य देशों में बिना संचार एवं संसाधन के पहुंचना अद्भुत है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान एवं उनकी मांग को पूरा करते हुए इलाहाबाद के नाम को बदल कर प्रयागराज किया है। उन्होंने कहा कि मैंने लोकसभा में बम्बई के नाम को उसके प्राचीन नाम मुंबा देवी के नाम पर मुंबई के प्रस्ताव को रखा था, जिसे सर्वसम्मति से माना गया था। श्री राम नाईक ने कहा कि नाम तो नाम होते हैं इसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता है। वह प्रत्येक भाषा में अपने मूल रूप में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कोलकाता, मुंबई, मद्रास, बंगलूरू और त्रिवेन्द्रम के नामों को वहां की जनभावनाओं को देखते हुए परिवर्तित किया जा चुका है।

बिहार के राज्यपाल श्री लालजी टण्डन कहा कि रामलीला आयोजन समिति ऐशबाग पुरानी परम्परा को जीवित रखे हुए ह,ै इसके लिए सभी लोगो को बधाई। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यहां पर रामलीला का और भव्य तथा शानदार आयोजन किया जायेगा। आयोजन समिति और सभी लोग मिलकर इसकी रक्षा करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी प्रत्येक वर्ष यहां आकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति को व्यक्त करते हैं। इनके आने से रामलीला की शोभा और बढ़ जाती है। हम सभी

लोगो के लिए यह गौरव की बात है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डा॰ दिनेश शर्मा ने कहा कि ऐशबाग की रामलीला ऐतिहासिक है। इसका आयोजन गोस्वामी तुलसीदास के शिष्यों ने 16वीं शताब्दी में शुरू किया था, जो आज देश की आधुनिकतम रामलीला बन चुकी है।

इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने रामलीला की वेबसाइट का शुभारम्भ किया। ऐशबाग की रामलीला को अब वेबसाइट पर भी देखा जा सकेगा। रामलीला आयोजन समिति ने राज्यपाल श्री नाईक, बिहार के राज्यपाल श्री लालजी टण्डन, उप मुख्यमंत्री डा॰ दिनेश शर्मा, विधि एवं न्याय मंत्री श्री बृजेश पाठक को स्मृति चिहन तथा अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय मंत्री श्री बृजेश पाठक, रामलीला समिति के अध्यक्ष श्री हरीश चन्द्र अग्रवाल, रामलीला समिति के सचिव पंडित आदित्य द्विवेदी एवं बड़ी संख्या में रामलीला देखने आये हुए दर्शक उपस्थित थे।

अशोक/दिलशाद/राजभवन (405/30)